डिजिटल लाइब्रेरी से छात्राओं की शोध सामग्री तक पहुंच होगी आसान

भगत फूल सिंह महिला विवि में सीएसआर के तहत तैयार होगी डिजिटल लाइब्रेरी

परमजीत सिंह • जागरण

गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में जल्द उपमंडल की पहली डिजिटल लाइब्रेरी तैयार होगी। यह लाइब्रेरी कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत तैयार होगी। डिजिटल लाइब्रेरी तैयार होने के बाद छात्राओं की दुर्लभ पुस्तकों और दस्तावेजों और शोध सामग्री तक पहुंच आसान हो जाएगी। यहां पर विभिन्न मल्टीमीडिया प्रारूपों में सामग्री उपलब्ध होगी, जिससे छात्राओं को नवीनतम जानकारी हासिल करने में आसानी होगी। इस लाइब्रेरी से विश्वविद्यालय की हजारों छात्राओं को लाभ मिलेगा।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में पहले से केंद्रीय लाइब्रेरी है, जहां पर लगभग 1.40 लाख पुस्तकों का संग्रह है। छात्राओं को इतने बड़े संग्रह से पुस्तकों का चयन करने में काफी समय लग जाता है। नई पुस्तकों की जानकारी हासिल करने में भी अधिक समय लगता है। यह लाइब्रेरी छात्राओं के लिए रोजाना सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक खोली जाती है। विश्वविद्यालय की छात्राओं को सेंट्रल लाइब्रेरी के अलावा जल्द डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा भी मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने लाइब्रेरी तैयार करने के लिए भवन उपलब्ध कराया है। इस लाइब्रेरी को कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत कालूवाला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार कराया जा रहा है। लाइब्रेरी में छात्राएं आराम व शांत माहौल में बैठकर पढ़ाई कर सकें इसके लिए पूरी व्यवस्था होगी। डिजिटल लाइब्रेरी में 120 कंप्यूटर सेट उपलब्ध कराए गए हैं। लाइब्रेरी वातानुकूलित होगी, जिसमें पुस्तकों का डिजिटल संग्रह उपलब्ध कराया जाएगा। इससे छात्राओं को नवीनतम शोध और जानकारी हासिल करने में आसानी रहेगी। किसी भी पठन सामग्री का जल्द सर्च किया जा सकेगा।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में तैयार हो रही डिजिटल लाइब्रेरी • जागरण

26 विभागों में चल रहे हैं 69 कोर्स

विश्वविद्यालय में 26 विभागों द्वारा लगभग 69 कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके साथ में विश्वविद्यालय में कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भी चल रहा है। यहां पर पहली कक्षा से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई होती है।

1936 में शुरू हुआ गुरुकुल और 2006 में बना विश्वविद्यालय

समाज सुधारक भगत फूल सिंह ने 1936 में तीन छात्राओं के साथ कन्या गुरुकुल शुरू किया था। 1942 में भगत फूल सिंह की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद उनकी बेटी पद्मश्री बहन सुभाषिणी देवी ने संस्थान को आगे बढ़ाया। यहां पर महिला कालेज, एजुकेशन कालेज, आयुर्वेद कालेज, महिला पालीटेक्निक, ला कालेज समेत कई संस्थान शुरू किए गए। अगस्त 2006 में राज्य सरकार ने इस टेकओवर करके विश्वविद्यालय बनाया। अब यहां पर विभिन्न प्रदेशों की छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। यह उत्तर भारत का पहला राजकीय महिला विश्वविद्यालय है।

120 कंप्यूटर सेट उपलब्ध कराए गए हैं डिजिटल लाइब्रेरी में

1 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगी डिजिटल लाइब्रेरी

1.40 लाख पुस्तकें उपलब्ध हैं पहले बनी सेंट्रल लाइब्रेरी में

6,500 से अधिक छात्राएं पढ़ती हैं विश्वविद्यालय में

सीएसआर के तहत डिजिटल लाइब्रेरी तैयार कराई जा रही है, जिसका काम पूरा होने वाला है। जल्द इसे छात्राओं को समर्पित किया जाएगा। लाइब्रेरी को 24 घंटे खोला जाएगा। डिजिटल लाइब्रेरी में छात्राओं को दुर्लभ सामग्री उपलब्ध होगी। प्रो. सुदेश, कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय

CYBERSECURITY AWARENESS WORKSHOP

Sonepat: The Department of Computer Science and Engineering and Information Technology, Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, organised a cybersecurity awareness and training workshop on the occasion of Engineer's Day. The workshop was conducted under the guidance of Dr Vinod Saroha, Cisco Nodal Officer of the university, in collaboration with Cisco Networking Academy and NIIT Technologies. Vice-Chancellor Prof Sudesh, who was the chief guest, said in today's digital era cybersecurity was not just a technical necessity, but an important issue directly connected to personal, academic and national security.

विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने साझा किए विचार

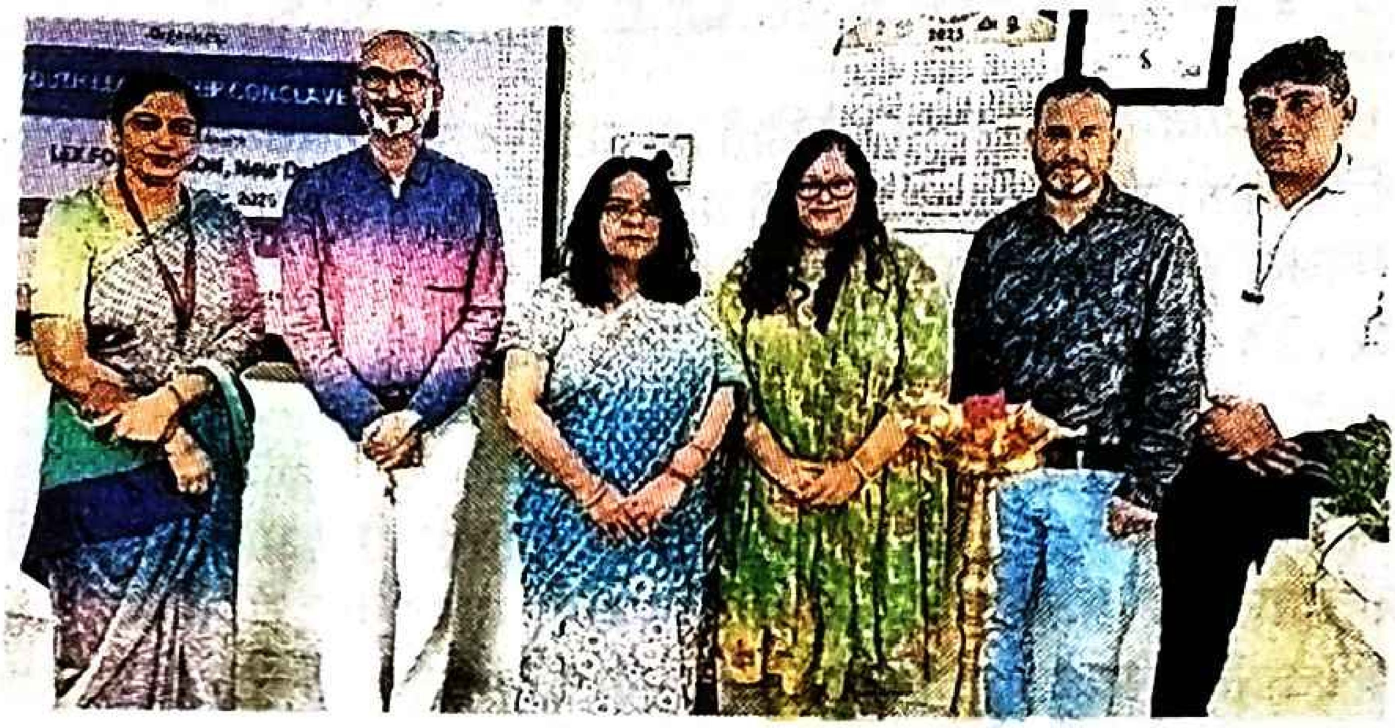

गोहाना | बीपीएस महिला विवि में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा नई दिल्ली के लेक्स फाउंडेशन के सहयोग से दो दिवसीय यूथ लीडरशिप कॉन्क्लेव शुरू हुआ। इस कॉन्क्लेव में फाउंडेशन के अध्यक्ष अनीश सिंह, सह-समन्वयक अब्दुल शकूर देवा अतिथि रहे। इसके बाद विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने आपसी संवाद कर अलग-अलग विषयों पर विचार साझा किए। पर्यावरणविद् एवं विधि विभाग विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस की फैकल्टी हेड कृष्णी अदनारैन अपाडू ने युवाओं की पर्यावरण संरक्षक की भूमिका और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कोलकत्ता की यूनिक जेंडर कम्युनिटी से जुड़े यूनिका शहबाज खान ने अपने समुदाय के सदस्यों की समानता से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की। इसके अलावा बांग्लादेश, नेपाल, राजस्थान सहित अन्य विवि के विभिन्न प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने भी डिजिटल युग में युवा नेतृत्व, भाईचारा और संघर्ष से शांति की ओर रूपांतरण जैसे विषयों की जानकारी दी। इस मौके पर डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. श्वेता हुड्डा, एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. जगदीप सिंगल, कॉन्क्लेव समन्वयक डॉ. मोनिका, डॉ. कृतिका, डॉ. दिनेश आदि मौजूद रहे।

'फर्स्ट एड व बेसिक लाइफ सपोर्ट के बारे में जागरूक होना बहुत जरूरी'

भास्कर न्यूज | गोहाना

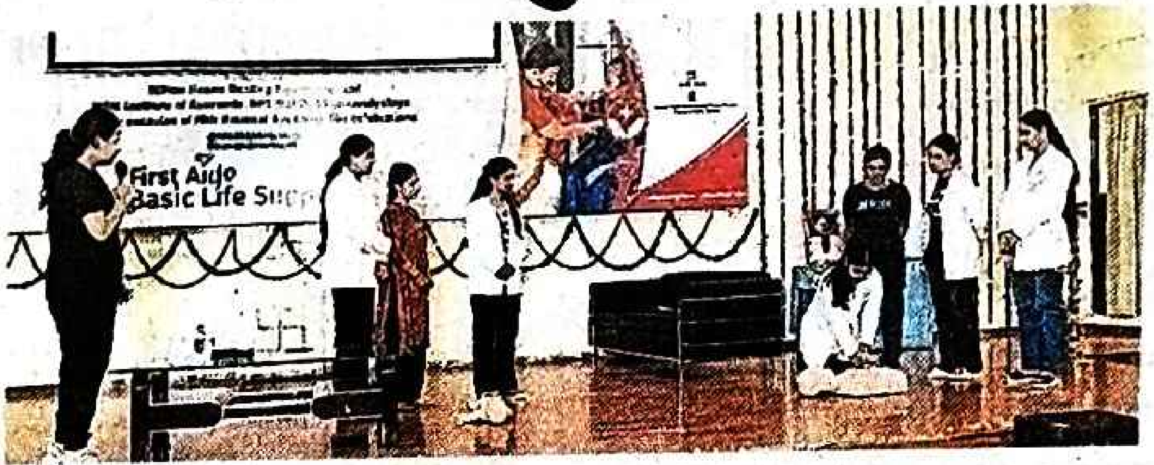

लाइव डेमोस्ट्रेशन के दौरान छात्राएं और प्रशिक्षक टीम।

बीपीएस महिला विवि के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान द्वारा 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में फर्स्ट एड और बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया। विश्व युवक केंद्र और बिलियन हार्ट्स बीटिंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ कुलपति प्रो. सुदेश ने किया। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि फर्स्ट एड व बेसिक लाइफ सपोर्ट के बारे में जागरूकता होनी बहुत जरूरी है। इस तरह की कार्यशाला किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक है। लाइव डेमोस्ट्रेशन से छात्राओं में मनोबल भी बढ़ता है। प्राचार्य डॉ. एपी नायक ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन अभ्यास के माध्यम से जीवन रक्षक कौशलों से सशक्त बनाना है। विवि प्रशासन महिलाओं की शिक्षा, सामुदायिक स्वास्थ्य पहुंच, आयुर्वेद शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान डॉ. श्रेष्ठा सिंह ने फर्स्ट एड और बीएलएस पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इसमें लाइव डेमोंस्ट्रेशन, छात्र सहभागिता और प्रोटोकॉल स्पष्ट करने के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र भी शामिल रहा। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, नोडल अधिकारी डॉ. वीना, डॉ. कपिल यादव, मोहित चौहान, सतेंद्र सिंह, मुक्ता भारद्वाज, प्रदीप खत्री आदि मौजूद रहे।

जीवंत प्रदर्शन से बढ़ता है छात्राओं का मनोबल : प्रोफेसर सुदेश

विश्वविद्यालय में जीवंत प्रदर्शन के दौरान छात्राएं और प्रशिक्षक टीम • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में विश्व युवक केंद्र और बिलियन हार्ट्स बीटिंग फाउंडेशन के सहयोग से फर्स्ट एड और बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बहुत ही जरूरी है। जीवंत प्रदर्शन से छात्राओं में मनोबल भी बढ़ता है। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने उच्च शिक्षा संस्थानों में आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता के महत्व पर बल दिया।

प्रो. सुदेश, कुलपति

प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता जरूरी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान में विश्व युवक केंद्र के सहयोग से प्राथमिक चिकित्सा और बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण पर संगोष्ठी हुई। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बहुत जरूरी है। लाइव डेमोस्ट्रेशन से छात्राओं में मनोबल भी बढ़ता है। प्राथमिक चिकित्सा व बेसिक लाइफ सपोर्ट के बारे में जागरूकता जरूरी है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव, प्राचार्य डॉ. एपी नायक, डॉ. श्रेष्ठ, डॉ. वीना मौजूद रहे। संवाद

कार्यक्रम

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का किया आयोजन

फर्स्ट एड व बेसिक लाइफ स्पोर्ट बारे जागरूकता बहुत जरूरी: प्रो. सुदेश

कार्यशाला किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बहुत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) खानपुर कलां के माडू सिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक संस्थान द्वारा विश्व युवक केन्द्र और बिलियन हाट्र्स बीटिंग फाउंडेशन (अपोलो हॉस्पिटल्स) के सहयोग से 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में फर्स्ट एड और बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया।

मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बहुत जरूरी है। लाइव डेमोस्ट्रेशन से छात्राओं में मनोबल भी बढ़ता है। फस्र्ट एड व बेसिक लाइफ स्पोर्ट के बारे में जागरूकता जरूरी है। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव रहे। कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य डॉ. एपी नायक ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं को लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन अभ्यास के माध्यम से जीवन रक्षक कौशलों से सशक्त बनाना है। डॉ. श्रेष्ठा सिंह, इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर, अपोलो हॉस्पिटल ने फस्र्ट एड और बीएलएस पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया।

गोहाना। कुलपति प्रो. सुदेश को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. वीना एचशर्मा और डॉ. कपिल यादव रहे। आगंतुक टीम में डॉ. श्रेष्ठा सिंह, इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर, अपोलो हॉस्पिटल; मोहित चौहान, हेड-सीएसआर (उत्तर), बिलियन हाट्र्स बीटिंग फाउंडेशन (अपोलो); सतेंद्र सिंह, सुपरवाइजर ऑपरेशन्स सीएसआर (दिल्ली-एनसीआर), मुक्ता भारद्वाज, प्रोग्राम ऑफिसर, विश्व युवक केन्द्र; तथा प्रदीप खत्री, एमआईएस ऑफिसर, विश्व युवक केन्द्र शामिल रहे।

प्रतिभागियों ने किए अपने विचार साझा

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा लेक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय यूथ लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि लेक्स फाउंडेशन के अध्यक्ष अनीश सिंह और विशिष्ट अतिथि सह-समन्वयक अब्दुल शाकूर देवा रहे। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र एवं तकनीकी सत्र के आयोजन में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. श्वेता हुड्डा, एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. जगदीप सिंगल, डॉ. दिनेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीपीएसएमवी में दो दिवसीय यूथ लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन

पल पल न्यूजः गोहाना, 20 सितंबर (अनिल जिंदल)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा लेक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय यूथ लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। लेक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष अनीश सिंह ने बतौर मुख्यातिथि तथा सह-समन्वयक अब्दुल शाकूर देवा ने बतौर विशिष्ट अतिथि कॉन्क्लेव में शिरकत की। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र एवं तकनीकी सत्र के आयोजन में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. श्वेता हुड्डा, एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. जगदीप सिंगल, कॉन्क्लेव समन्वयक डॉ. मोनिका, डॉ. कृतिका एवं डॉ. दिनेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने आपसी संवाद कर अलग-अलग विषयों पर अपने विचार साझा किए। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं विधि विभाग विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस की फैकल्टी हेड सुश्री कृष्णी अदनारैन अपाडू ने युवाओं की पर्यावरण संरक्षक की भूमिका और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता को बढ़ावा देने पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में यूथ लीडरशिप कॉन्क्लेव आयोजित

कॉन्क्लेव में मौजूद मंचासीन अतिथि।

गोहाना, 21 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा लेक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय यूथ लीडरशिप कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लेक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष अनीश सिंह ने बतौर मुख्यातिथि तथा सह-समन्वयक अब्दुल शाकूर देवा ने बतौर विशिष्ट अतिथि कॉन्क्लेव में शिरकत की। उद्घाटन सत्र एवं तकनीकी सत्र के आयोजन में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. श्वेता हुड्डा, एसोसिएट डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. जगदीप सिंगल, कॉन्क्लेव समन्वयक डॉ. मोनिका, डॉ. कृतिका एवं डॉ. दिनेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने आपसी संवाद कर अलग-अलग विषयों पर अपने विचार सांझा किए। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं विधि विभाग विशेषज्ञ यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस की फैकल्टी हेड सुश्री कृष्णी अदनारैन अपाड्डू, कोलकाता की यूनिक जेंडर कम्युनिटी से जुड़े यूनिका सहबाज़ खान, इसके अतिरिक्त बांग्लादेश, नेपाल, राजस्थान सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने भी डिजिटल युग में युवा नेतृत्व, भाईचारा और संघर्ष से शांति की ओर रूपांतरण जैसे विषयों पर अपने विचार प्रकट किए।